

आज नहीं। अतः उपरोक्त सं. 1/22 के खिलाफ  
 एकाग्रता कार्यवाही अमर में लाई जाती है। पत्रा.  
 वापस कदम दिनांक 25/11/24 को पेश हो।

25/11/24 पत्रावली पेश हुई। वकील/ समयवश हाजिर। पीठासीन अधिकारी  
 आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वदिशानुसार  
 दिनांक 01/12/24 को पेश हो।

08/12/24 पत्रावली पेश हुई। वकील/ समयवश हाजिर। पीठासीन अधिकारी  
 आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वदिशानुसार  
 दिनांक 31/12/24 को पेश हो।

31/12/24 पत्रावली पेश हुई। वकील/ समयवश हाजिर। पीठासीन अधिकारी  
 आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वदिशानुसार  
 दिनांक 01/01/25 को पेश हो।

पत्रावली पेश। अति. प्रार्थी हाजिर। कदम वापस। गणित  
 उपरोक्त प्रतीति एवं उक्त कदम पर मनन किया गया। पत्रावली  
 पर उपरोक्त कदमों का डाकलोकन किया गया। मूल  
 काद वरंको का ही एमारी राय में देराने प्रउ मुक्ति का  
 क्वेचाने मने पर मुक्ति पर काद कादुल्यरावकेगा तथा प्रार्थी  
 कदम प्रमाणित हो रहे हैं। अतः प्रार्थी-पत्रा प्रतीति अंशिका  
 किया जाता है तथा कोरेस रिपेजारेड कि कि गारि मुक्ति सं. नं.  
 1262/52, 522/1095, 527/1096 वरिशास राधाप्रियनपुरा  
 तदनीलवापिसा कीक के काम पर राशोराने काद वि उमयपप  
 रिउरु के यथास्थिति बनाये रखे। पत्रावली फौतप मुमा  
 होकर मया है कम हो। दाखिल करवा हो। निर्णय काज  
 में एकराका (उपुनाय) गणित

उपखण्ड अधिकारी- सीकर